प्रतिवेदन

महिला काव्य गोष्ठी (संस्कृत/ हिन्दी)

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर **शक्ति पर्व 2024** का आयोजन दिनाङ्क 7 मार्च, 2024 को किया गया। प्रतिवर्ष इस अवसर पर नारी संवाद प्रकल्प द्वारा शक्ति पर्व, दिव्य प्रकृति पर्व आदि का आयोजन किया जाता रहा है। इस वर्ष शक्ति पर्व के अन्तर्गत नारी संवाद प्रकल्प द्वारा वैदिक मङ्गलाचरण एवं महिला काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. प्रतापानन्द झा, डीन अकादमिक, आईजीएनसीए, प्रो. सुधीर लाल, विभागाध्यक्ष, कलाकोश, आईजीएनसीए, प्रो. अरुण कुमार भारद्वाज, अध्यक्ष, अकादमिक प्रभाग, आईजीएनसीए एवं डॉ. प्रियंका मिश्रा, निदेशक, आईजीएनसीए आदि विद्वद्गण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आरम्भ विश्ववारा कन्या गुरुकुल, रोहतक से आयी वेदपाठी कन्याओं द्वारा सस्वर वैदिक मङ्गलाचरण से किया गया, जिसके अन्तर्गत शिवसंकल्प सूक्त के मन्त्र का संहिता पाठ एवं घन पाठ प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात् डॉ. प्रियंका मिश्रा ने वैदिक छात्राओं का अङ्गवस्त्र एवं पादप प्रदान कर उत्साहवर्धन किया।

इसी शृंखला में कार्यक्रम के अगले चरण में संस्कृत एवं हिन्दी भाषा में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत कुल तीन कवयित्रियों ने दोनों भाषाओं में स्वरचित कविताएँ प्रस्तुत कीं। काव्य गोष्ठी की प्रथम कवयित्री के रूप में डॉ. सरिता शर्मा को मञ्च पर आमन्त्रित किया गया। इनके द्वारा संस्कृत एवं हिन्दी में राष्ट्रवाद, नारी-शक्ति, सत्य, आनन्द एवं प्रेम आदि विभिन्न विषयों पर काव्य पाठ किया गया। कार्यक्रम की अगली कवयित्री प्रो. मीरा द्विवेदी द्वारा तत्कालीन कश्मीर की स्थिति, वितस्ता नदी के सौन्दर्य, समाज में समरसता, कलियुग में संगठन के माहात्म्य आदि विषयों का संस्कृत में सुन्दर काव्यात्मक रूप प्रस्तुत किया गया। इस काव्य गोष्ठी की अन्तिम कवयित्री के रूप में डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा हिन्दी भाषा में कविता पाठ किया गया। उनकी कविताओं का प्रतिपाद्य मुख्य रूप से नारी विषयक रहा। डॉ. गुप्ता ने फूलों के माध्यम से वर्तमान समाज में स्त्रियों की मानवीय भूमिका पर बल दिया। कार्यक्रम के इस भाग का कवित्वपूर्ण संचालन कलाकोश संविभाग के सह-आचार्य डॉ. योगेश शर्मा ने किया, जिसे सभी ने सराहा। प्रो. प्रतापानन्द झा, प्रो. सुधीर लाल एवं प्रो. अरुण कुमार भारद्वाज द्वारा कवयित्रियों को अङ्गवस्त्र एवं पादप प्रस्तुत किए गए, और इसी के साथ यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

~ सृष्टि असाटी

नारी संवाद प्रकल्प, कलाकोश

वेदपाठी कन्याएं

महिला काव्य गोष्ठी